निर्वाण कलिका (फोल्डर नं. ००१५५९)

मुख्य टाइटल
प्रासंगिक ---२
संयम पर्यायनी शुभ अनुमोदना --३
प्रस्तावना -- ६
विषयानुक्रम ---१२
मंगलाचरणम् -- १
१. नित्यकर्म विधि ---२
उपासक देह शुद्धिः ---३
द्वार पूजा ---२
पूजागृह प्रवेशः ---२
भौमादि विघ्ननिरासः ---२
आसन पूजा --२
द्विविधः करन्यासः ---२
भूतशुद्धिः ---२
मान्तिरकस्नानम् --- ४
त्रिविधोङ्गन्यासः --३
मातृकान्यास -- ४
पञ्चविधशुद्धिः -- ४
आत्माभिषेकः --- ५
प्रथम वलये जिनगुर्वादि पूजा -- ६
द्वितीय वलये विद्यादेवीनां पूजा --- ७
तृतीय वलये इन्द्रादिक पूजा -- ७
आदित्यादि पूजा -- ७
त्रिविध जापः --८
यौगिक ध्यानम् -- ९
अर्हन्मूर्ति पूजा -- १०
विसर्जनम् --- १०
गृहदेवतागण पूजा -- १०
दिग्देवता बलिविधानम् -- ११
२. दीक्षा विधिः --१२
गृस्थदीक्षा पूर्वविधि ---१२
सर्वतोभद्रमण्डलनिरूपणम् --१२
अष्टसमयादि श्रावणम् -- १५

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

३. आचार्याभिषेकः ---------- १६
मण्डपवेदिका कुम्भवर्णनम् ---------- १६
शङ्खवर्णनम् ---------- १७
अभिषेकः ---------- १७
नन्दि विधि ----------१८
अनुज्ञा विधिः ----------१८
नूतनाचार्यदेशना ----------१८
मूलाचार्यस्यानुशास्तिः ---------- १९
शङ्खादीनां मन्त्राः ---------- १९
४. भूपरीक्षा ---------- २०
अनेकविधा भूपरीक्षा ---------- २०
भूमिपरिग्रह विधइः ----------२१
शल्यज्ञानम् ----------२१
५. शिलान्यास विधिः ---------- २२
वास्तुपूजनम् ---------- २२
६. प्रतिष्ठा विधिः
१. पाद प्रतिष्ठा
शिल्पीन्द्राचार्याणां गुणाः ---------- २३
अधिवासना मण्डप रचना ---------- २४
भूतशुद्धि सकलीकरण कव चबलिविधानम् ---------- २४
स्नानमण्डपः ---------- २५
शिलावर्णनम् ---------- २६
कुम्भ शिलान्यासः ---------- २६
७. द्वार प्रतिष्ठाः विधिः ---------- २७
८. बिम्बप्रतिष्ठा विधिः
कारक समूहः ---------- २८
शुचिविद्या ---------- २९
भूतबलि मन्त्रः ---------- ३०
मन्त्रन्यासः ---------- ३०
दिग्न्धमन्त्रः----------३१
बिम्बस्नानम् ----------३१
स्नान मन्त्रा ---------- ३२
जिनावाह्नम् ---------- ३२
नन्दावर्तनिरूपणम् ---------- ३२
निरूपण गाथा ---------- ३४

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

नन्दावर्तपूजा मन्त्राः ---------- ३६
अधिवासनाविद्याद्वयम् ---------- ४३
सौभाग्यविद्या ---------- ४३
अतिशयचतुष्कन्यासः ---------- ४३
अधिवासना ---------- ४४
ध्यानवृष्टिः ---------- ४४
मङ्गलप्रतिपाः ---------- ४४
बलिदानम्---------- ४४
सुवर्णादिदानम् ---------- ४५
लवणारात्रिकम् ---------- ४६
चैत्यवंदनादि ---------- ४६
अञ्जनशलाकाविधिः ---------- ४७
वृतादर्शदधिदर्शनम् ---------- ४७
कर्मक्षयोत्पन्नातिशयन्यासः मन्त्रश्च---------- ४७
रत्नधात्वादिन्यासः ---------- ४८
जिनबिम्बप्रतिष्ठा विधिः ---------- ४८
प्रतिष्ठामन्त्रः ---------- ४९
मूर्ति प्रतिबोध स्थिरीकरणमन्त्रौ ---------- ४९
मुद्राकरणम् ---------- ४९
सुरवृतातिशयप्रातिहार्ययक्षयक्षीश्वरीधर्मचक्रमृगद्वन्द्वरत्नध्वजप्राकारत्रयादि स्थापना ---------- ४९
निर्म्रक्षणारात्रिकदेव वन्दनादिकम् बलिदानम् ---------- ५१
शान्ति बलिमन्त्रः ---------- ५४
संघपूजादि शासनोद्भासनम् ---------- ५४
अष्टाह्निकत्र्याह्निकमहः ---------- ५५
विसर्जन विधिः ---------- ५६
अष्टोत्तरशतस्नात्रम् मास संवत्सरकार्याणि ---------- ५६
विभवाभावस्य प्रतिष्ठाकार्यम् ---------- ५७
लेप्यादिप्रतिमा प्रतिष्ठाविधि ---------- ५८
सरस्वत्यादि प्रतिष्ठा तृतीया
    प्रतिष्ठा मन्त्राः ---------- ५८
    सरस्वति माणिभद्र ब्रह्मशान्त्यम्बिका प्रतिष्ठाी ---------- ५८
हृत्प्रतिष्ठा चतुर्थी
    कलाप्रभृतिविन्यासः ---------- ५९
    नाडीदशकवायुदशकविन्यासः ---------- ६०
    नाडीवायुन्यास मन्त्राः ---------- ६०

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

चुलिका प्रतिष्ठा पञ्चमी
चूलक कलशध्वजधर्मचक्रादिनां अधिवासः ---------- ६१
प्रासादाधिवासः ---------- ६१
चूलककलशादि निवेशः ---------- ६२
ध्वजचटानपनफलम् (गाथा) ---------- ६२
देवगुरु सङ्घपूजा ---------- ६२
अनुकम्पा ---------- ६२
दण्डनिरूपणम् ---------- ६२
दण्डमानदिशाफलम् ---------- ६३
वेदिकालक्षणण् ---------- ६३
९. जीर्णोद्धार विधिः---------- ६४
बिम्बोत्थापनम् ---------- ६४
दिक्पाल बलिदानम् ---------- ६४
दिक्पालावाह्नम् ---------- ६५
विसर्जनस्नानम् ---------- ६५
जाप सुवर्णपुष्प पूजा ---------- ६५
विसर्जन मन्त्रः ---------- ६५
शैल बिम्बक्षैपनम् ---------- ६६
मृदरत्नबिम्बंसुवर्णादि बिम्बस्य पुनः स्थापनम् ---------- ६६
चूलकध्वजप्रासादविसर्जनम् ---------- ६६
प्रासादषडङ्गपूजनम् ---------- ६६
१०. मुद्रा विधिः (६३ मुद्राः) ---------- ६६
११. प्रायश्चित्त विधिः ---------- ७२
बिम्ब विषये जप प्रायश्चित्तम् ---------- ७२
देवोपकरणं पादेन स्पर्शे सन्ध्यालोपे देवानर्चने निर्माल्यभक्षणे प्रायश्चित्तम् ---------- ७३
निर्माल्यभेदाः देवद्रव्यनिरुपणम् निर्माल्योपगे फलम् ---------- ७३
सूतक शावाशौचयोः विशेषः सूतके शावाशौचे नित्यक्षतिः न कार्या ---------- ७३
१२. अर्हदादीनां वर्णादि क्रमः---------- ७४
तीर्थकराणां वर्णलाञ्चन जन्मनक्षत्रवर्णनम् यक्षयक्षिणी स्वरूपायुधवर्णनञ्च ---------- ७४
श्रुतदेवता शान्तिदेवतावर्णनम् ---------- ८०
१३. षोडशविद्यादेवीनां स्वरूपायुश्च वर्णनम् ---------- ८०
१४. लोकपालस्वरूपायुधवर्णनम् ---------- ८१
१५. नवग्रह स्वरूपायुधवर्णनम् ---------- ८२
ब्रह्मशान्तिक्षैत्रपालस्वरूपायुधवर्णनम् ---------- ८२

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org